General Equilibirium- Problem of Existence

Pranav Shekhar

Assistant Professor

Department of Economics

Notes for PG 2nd semester

Scanned with CamScanner

General Equilibrium या सामान्य संतुलन के अंतर्गत साम्यावस्था में तीन प्रकार की समस्याएँ देखी जाती हैं :—

i) संतुलन स्थापित है या नहीं ? Problem of Existance of equilibrium ?

ii) Problem of Stability in Equilibrium

iii) Problem of uniqueness in Equilibrium

⇒ Existance of Equilibrium :—

सामान्य Equilibrium तब होता है जब बाजार की शक्तियाँ माँग एवं पूर्ति एक-दूसरे को एक निर्धारित बिन्दु पर काटते हैं। सामान्य स्थितियों में बाजार में संतुलन तभी स्थापित होता है जब उपभोक्ता और उत्पादक के विपरित हित एक बिन्दु पर आकर स्थिर होते हैं, उस बिन्दु को बाजार का संतुलन बिन्दु कहते हैं, एवं उसी बिन्दु के आधार पर वस्तु की कीमत एवं वस्तु की मात्रा निर्धारित की जाती है। बाजार में संतुलन तब स्थापित (Existance of Equilibrium) होता है, जब माँग और पूर्ति की विपरित शक्तियाँ एक-दूसरे से मिलती हैं। बाजार में जहाँ संतुलन स्थापित करता है, वहाँ पर उस वस्तु के बाजार मूल्य कीमत का निर्धारण होता है एवं उस कीमत पर उपभोक्ता भी वस्तु की मात्रा खरीदने को तैयार रहता है एवं उत्पादक भी वस्तु को बेचने के लिए तैयार होता है।

अपवाद :-

i) कभी-कभी वस्तु की मात्रा एवं उसकी कीमत के बीच संतुलन स्थापित नहीं हो पाता एवं संतुलन स्थापित नहीं हो पाता क्योंकि वस्तु की मात्रा बाजार की शक्तियों के अधीन नहीं रहती। उदाहरण के लिए - हवा मुफ्त वस्तुओं का उदाहरण है क्योंकि वायुमंडल से ऑक्सीजन लेने के लिए किसी को कोई कीमत नहीं चुकानी पड़ती एवं ऐसी वस्तुओं के लिए इसकी आपूर्ति अधिक होगी एवं मांग कम होगा क्योंकि ऑक्सीजन Biological Process से वातावरण में निर्मित है एवं इसकी आपूर्ति तब तक नहीं रुकेगी जब तक पर्यावरण बहुत प्रदूषित न हो।

ii) Zero Production cost (शून्य उत्पादन लागत) :- जिन वस्तुओं के लिए उत्पादन लागत शून्य होती है वहां मांग और पूर्ति का नियम काम नहीं करते एवं संतुलन स्थापित नहीं होता। उदाहरण - पानी जहां प्रचुर मात्रा में उपलब्ध रहता है वहां उसकी कीमत शून्य होती है लेकिन जहां इसकी कमी होती है वहां उस पर मांग पूर्ति का नियम काम करता है। पहली परिस्थिति का उदाहरण शुद्ध पेय जल है एवं दूसरी परिस्थिति का उदाहरण mineral water है।

निष्कर्ष :-

अतः हम यह कह सकते हैं कि संतुलन तभी स्थापित होता है जब मांग और पूर्ति की बाजार शक्तियाँ उस पर प्रभावी हो एवं यह

Scanned with CamScanner

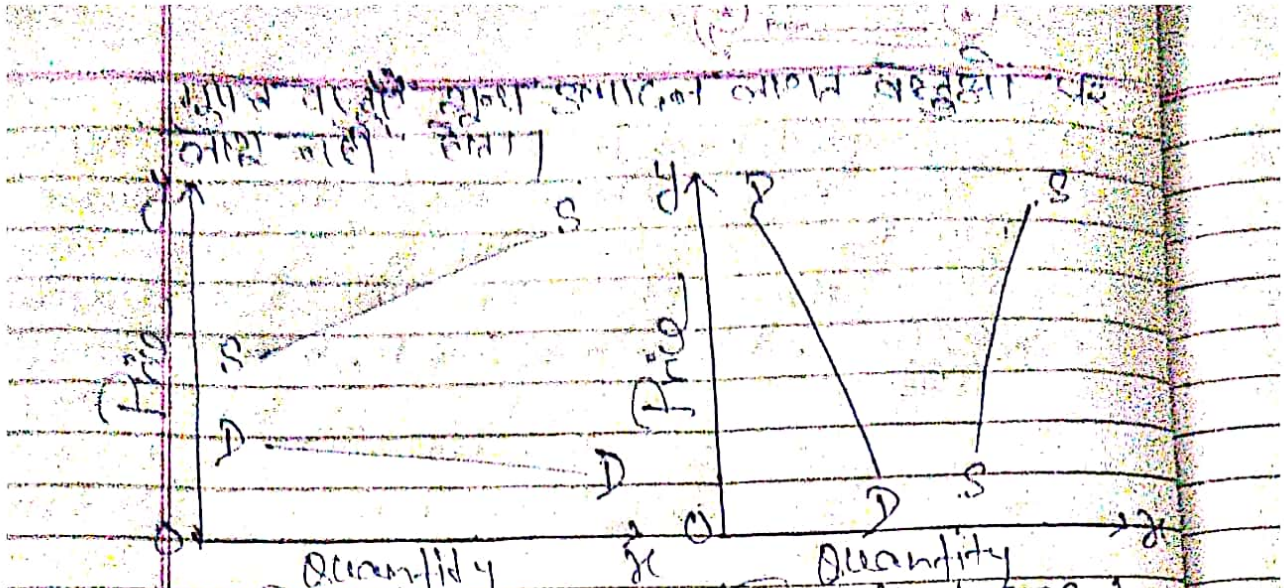

मुफ्त वस्तुएँ शून्य उत्पादन लागत वस्तुओं पर लागू नहीं होता।

(Zero Production Case) (Free Good Case)

दिए गए चित्र में शून्य उत्पादन लागत एवं मुफ्त वस्तुओं के लिए माँग एवं पूर्ति वक्रों का चित्रण किया गया है, लेकिन ये दोनों आपस में कभी मिल नहीं रहे इसलिए यहाँ संतुलन स्थापित नहीं होता एवं ~~दोनों~~ मुफ्त वस्तुओं के लिए वस्तु की आपूर्ति वस्तु की माँग से अधिक।